1960-61, under a scheme financed by the Indian Council of Agricultural Research. N'o assistance has been obtained from any world organisation.]

सुपारी के उप-उत्पाद

४४. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय केन्द्रीय सुपारी समिति को वित्तीय सहायता से, सुपारी के उप-उत्पादों सम्बन्धी जांचों के बारे में कुछ विश्वविद्यालयों तथा अनुसन्धान संस्थाओं द्वारा जो विभिन्न प्रौद्योगिकीय योजनायें चलाई जा रही थीं उनका क्या परिणाम निकला; और

(ख) सुपारी के किन किन उप-उत्पादों को खोजा जा चुका है; वे किस उपयोग में आयेंगे और कब उनका बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव हो सकेगा ?

BY-PRODUCT OF ARECANUT

44. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the outcome of the various technological schemes for investigations on the by-products of arecanut, being carried on by some of the universities and Research Institutes with financial aid from the Indian Central Arecanut Committee; and

(b) what by-products of arecanut have been discovered; for what purpose they would be used and by when they are likely to be produced on a large scale?]

खाद्य और कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) सुपारी के उप-उत्पादों के उत्तम उपयोग के लिए वन अनुसन्धान संस्था, देहरादून में हुए अनुसन्धान ने प्रदर्शित किया है कि सुपारी के छिलके से ब्राउन रैपिंग पेपर, सख्त गत्ते और प्लास्टिक गत्ते बनाये जा सकते हैं ।

(ख) सुपारी का छिलका और चोगारू (अरिकानट लिकर) उप-उत्पाद हैं । ब्राऊन रेपिंग पेपर, सख्त गत्ते और प्लास्टिक गत्ते के बनाने के लिए सुपारी का छिलका और चमड़ा कमाने के समान के रूप में चोगारू के उपयोग की सम्भावनाओं की खोज की जा रही है । इन उत्पादों के बड़े पैमाने पर उत्पादन और आर्थिक पहलुओं की अभी खोज करनी है ।

f[THE MINISTER OP STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) Research being conducted at the Forest Research Institute, Dehra Dur. for the better utilisation of by-products of arecanut has shown that brown wrapping paper, hard boards and plastic boards can be made out of arecanut husk.

(b) Husk of arecanut and chogaru (arecanut liquor) are the by-products. Possibilities are being explored to use arecanut husk for making brown wrapping paper, hard boards and plastic boards and chogaru as a leather tan ning material. Large scale production and economic aspects of these products are yet to be explored.]

लम्बे रेशे वाली कपास की काश्त

४५. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सी आइलैंड एंड्रूज किस्म की कपास की काश्त देश के लिये कितने क्षेत्र में की

t[ ] English translation.